प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

डिप्लोमा कोर्स डेसी का समापन समारोह

पंतनगर 22 नवम्बर 2022। विश्वविद्यालय में प्रसार शिक्षा निदेशालय (समेटी–उत्तराखण्ड) द्वारा संचालित 48 सप्ताह का **डिप्लोमा कोर्स 'डेसी'** का समापन समारोह को कृषक भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस डिप्लोमा कोर्स में जनपद–ऊधमसिंह नगर के 40 कीटनाशी एवं उर्वरक विक्रेता पंजीकृत थे। समारोह में समस्त कीटनाशी एवं उर्वरक विक्रेताओं को प्रमाण–पत्र वितरित किया गया। यह डिप्लोमा कोर्स मैनेज हैदराबाद के दिशा निर्देशन में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जा रहा था। समारोह के मुख्य अतिथि श्री जस वीर सिंह, करम खाद भण्डार, सितारगंज थे। उन्होंने किसानों की बेहतर सेवा, केवल आवश्यक कीटनाशको की अनुशंसा, अपने क्षेत्र में छोटी–छोटी कृषि गोष्ठियों का आयोजन एवं विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक के व्यापक प्रचार–प्रसार पर विशेष बल दिया। समापन समारोह की अध्यक्षता कर रही कार्यवाहक निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड, डा. अनुराधा दत्ता ने प्रमाण–पत्र पाये सभी वितरकों को बधाई देते हुए आह्वान किया कि यह कोर्स करने के बाद कृषक समाज में आपका सेवा करने का दायित्व और भी बढ़ जायेगा। आपने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक को किसानों के तक ले जाने में आपकी भूमिका और भी बढ़ जायेगी। समेटी के समन्वयक डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से डेसीकोर्स का परिचय, कोर्स की रूप–रेखा, शुल्क, अवधि, इत्यादि के बारे में चर्चा करते हुए विश्वास जताया कि इस कोर्स के पश्चात् प्रत्येक वितरक अपने क्षेत्र में किसानों को उचित मार्गदर्शन देने में महती भूमिका निभायेंगें। आपने यह भी कहा कि कृषि सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से सम्पर्क कर सकते हैं। डा. जितेन्द्र क्वात्रा, प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर ने अपील किया कि वितरकों को सिर्फ आवश्यकता आधारित कीटनाशी रसायनों के प्रयोग की संस्तुति देनी चाहिए एवं अनावश्यक रसायनों के प्रयोग से बचना चाहिए। आपने धान में इस वर्षलगेड्वारफिंग रोग के लक्षण एवं उपचार के बारे में भी चर्चा किया। डा. बी.एस. कार्की, प्रभारी अधिकारी, एटिक ने एटिक पर उपलब्ध पुस्तकें, साहित्य, बीज इत्यादि के बारे में चर्चा करते हुए वितरकों से कहा कि आप सभी को नवीनतम कृषि विकसित तकनीक के प्रयोग के बारे में सजग रहते हुए कृषक समुदाय को सलाह देना चाहिए। डिप्लोमा कोर्स में प्रथम स्थान पर श्री विक्रम रॉय, रॉय ट्रेडिंग कम्पनी, सिसौना, सितारगंज, द्वितीय स्थान पर श्री मनोज कुमार अरोरा, श्री गणपति पेस्टीसाईड, सूरजपुर, गदरपुर एवं तृतीय स्थान पर श्री मनोज सिंह राणा, राणा खाद भण्डार, सिसौना, सितारगंज थे। इन वितरकों को क्रमशः गोल्ड, सिल्वर तथा ब्रांज प्रमाण–पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। वितरक श्री सुजीत कुमार बासु, राधे खाद भण्डार, सितारगंज, जिनकी क्लास के दौरान शत प्रतिशत उपस्थिति थी, उन्हें भी मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान अनेक वितरकों ने अपन अनुभवों का साझा करते हुए कहा कि इस कोर्स के दौरान विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों से वार्ता व अध्ययन करने का अवसर मिला। सभी का मानना था कि अब क्षेत्र में उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जायेगी और उन्हें विश्वविद्यालय की गरिमा के अनुरूप काम करने का आश्वासन भी दिया। समारोह के दौरान अनेक विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संचालित करने में कु. ज्योति कनवाल एवं श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित करते वैज्ञानिक।